(162)

15/2/23

दिनांक 02.02.2023 को अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में आयोजित जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्माणाधीन पाइप पेयजल योजनाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त

जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्माणाधीन पाइप पेयजल योजनाओं की प्रगति के सम्बन्ध दिनांक 02.02.2023 को साप्ताहिक समीक्षा बैठक अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। समीक्षा बैठक मे निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें:-

1. श्री संदेश सिंह तोमर, अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), महोबा।
2. श्री रामा कृषन शुक्ल, सुपरविजन इंजीनियर, आरवी एसोसिएट्स (पी0एम0सी0), हमीरपुर।
3. श्री विशाल शर्मा, ए0जी0एम0, एस0पी0एम0एल0–जे0डब्लू0आई0एल0(जेवी), हमीरपुर।
4. श्री मयूर जैन, क्यू0ए0 इंजीनियर, एस0पी0एम0एल0–जे0डब्लू0आई0एल0(जेवी), हमीरपुर।
5. श्री अभिषेक कुमार वर्मा, प्रोजेक्ट मैनेजर, एस0पी0एम0एल0–पी0एन0सी0(जेवी), हमीरपुर।

पत्यौरा डांडा ग्राम समूह पेयजल योजना (सतही स्त्रोत):-

सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि पत्यौरा डांडा ग्राम समूह पेयजल (सतही स्त्रोत) योजना के माध्यम से कुल 148 राजस्व ग्राम लाभान्वित हैं, जिसमें विकास खण्ड मौदहा के 82 एवं विकास खण्ड सुमेरपुर के 66 राजस्व ग्रामों को आच्छादित किया जाना है। उपरोक्त परियोजना का घटकवार प्रगति निम्नवत है:-

इन्टेक वेल:- एजेंसी के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि इस योजना के तहत यमुना नदी, ग्राम पत्यौरा डांडा के पास इन्टेकवेल (45 एम0एल0डी0) का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इन्टेकवेल की सिंकिंग की कार्यवाही पूर्ण तथा वॉल कास्टिंग का कार्य प्रगति पर है। इन्टेकवेल की कुल भौतिक प्रगति 35 प्रतिशत है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा इन्टेकवेल की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा निर्देशित किया गया कि कार्ययोजना के आधार पर इन्टेकवेल पर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप गुणवत्ता एवं मानक के अनुरूप कार्य कराना सुनिश्चित करें।

डब्लू0टी0पी0:- जे0डब्लू0आई0एल0 प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि डब्लू.टी.पी. (45 एम0एल0डी0) पत्योरा डांडा का निर्माण कार्य किया जा रहा है, डब्लू.टी.पी. का सिविल कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। वर्तमान में डब्लू.टी.पी. का फिनिशिंग कार्य, मीटर रूम और डेवलपमेन्ट के कार्य, मैकेनिकल व इलेक्ट्रिकल कार्य किये जा रहे हैं। डब्लू.टी.पी. के बाउन्ड्रीवाल का कार्य प्रारम्भ किया गया है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया कि डब्लू.टी.पी. के विद्युत यांत्रिकी, डेवलपमेन्ट, बाउन्ड्रीवाल का निर्माण हेतु पर्याप्त मानवश्रम लगाते हुए कार्य यथाशीघ्र पूर्ण करायें।

सी0डब्लू0आर0:- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम द्वारा बताया गया कि योजना में प्रस्तावित 10 नग सी0डब्लू0आर0 के मात्र 03 नग सी0डब्लू0आर0 का कार्य (पत्यौरा डांडा एवं पचखुरा बुजुर्ग एवं चाँदीकला) पर सिविल वर्क पूर्ण किया गया है तथा वर्तमान में मकरांव, छिरका तथा भवानी में सी0डब्लू0आर0 का कार्य बन्द है। शेष सी0डब्लू0आर0 पर धीमी गति से कार्य किया जा रहा है। अवशेष कार्यों को पूर्ण किये जाने हेतु 80 श्रमिक प्रतिदिन लगाये जाने के निर्धारित दैनिक लक्ष्य के सापेक्ष फर्म द्वारा मात्र 68 श्रमिक लगाये गयें हैं। अधोहस्ताक्षरी द्वारा सी0डब्लू0आर0 की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा निर्देशित किया गया कि आवश्यक मैनपावर लगाते हुए स्वीकृत ड्राईंग एवं डिजाइन एवं गुणवत्ता मानकों के अनुसार सभी सी0डब्लू0आर0 पर एक साथ समान्तर रूप से कार्य प्रारम्भ कराते हुए प्रगति मे आपेक्षित तेजी लाये। फर्म के प्रतिनिधि द्वारा

Scanned with OKEN Scanner

आश्वासन दिया गया कि चन्दपुरवा CWR का कार्य 02 सप्ताह, मकरॉव CWR का कार्य 03 सप्ताह तथा कलौलीजार CWR का कार्य 04 सप्ताह के अन्दर पूर्ण कर लिया जायेगा।

अवर जलाशयः–सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि कार्यदायी एजेंसी द्वारा 46 नग अवर जलाशयों का निर्माण किया जाना है, जिसमें विकास खण्ड मौदहा के 10 अवर जलाशयों में ही सिविल कार्य पूरा किया गया है तथा वर्तमान में मात्र 18 नग अवर जलाशयों उजनेड़ी, नई बस्ती, बरूआ, चंदपुरवा बुजुर्ग परहेटा, चांदीकलां, लदार, रिवन, छानी कैथी, मकरॉव, सौखर, कालीमाटी, मिहूना, ममौरा, पत्यौरा, टेढ़ा, बमौरा में धीमी गति से कार्य किया जा रहा है। कार्यदायी फर्म के पास पर्याप्त मानवश्रम उपलब्ध न होने के कारण समांतर रूप से कार्य नही किया जा रहा है तथा कार्य शुरू कराने के बाद बन्द कर दिया जाता है तथा टीम को दूसरे अवर जलाशय पर शिफ्ट कर दिया जाता है। 16 नग अवर जलाशयों अरतरा, दरियापुर, चंदौखी, कलौली तीर, धुंधपुर, विदोखर, अतरार, नदेहरा, स्वासा बुजुर्ग, रोहारी, सिलौली, पिपरौंधा, माचा, ऊपरी सायर, भवानी, रतौली में मानवश्रम के अभाव में विगत कई माह से कार्य बंद हैं तथा 02 नग अवर जलाशय ग्राम गुढा तथा जिगनौड़ा अवर जलाशय का कार्य अभी तक प्रारम्भ नही किया गया है। सुपरविजन इंजीनियर द्वारा बताया गया कि निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण किये जाने के लिए 360 श्रमिक प्रतिदिन लगाये जाने की आवश्यकता है, जिसके सापेक्ष कार्यदायी फर्म द्वारा मात्र 222 मानवश्रम लगाया गया है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा अवर जलाशयों की अत्यधिक धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा जे.डब्लू.आई.एल. के जनरल मैनेजर को निर्देशित किया गया कि पर्याप्त मानवश्रम लगाते हुए कार्ययोजना के अुनसार सभी अवशेष जलाशयों पर एक साथ तथा समांतर रूप से कार्य कराना सुनिश्चित करें।

राइजिंगमेनः–सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित राइजिंगमेन 306.366 किमी0 के सापेक्ष 275.36 किमी0 पाईप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण तथा 31 किमी0 पाइप बिछाया जाना शेष है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया कि पाइप बिछाये जाने की धीमी प्रगति है, पर्याप्त गैंग व मैनपावर लगाते हुए निर्धारित दैनिक लक्ष्य को प्राप्त करें तथा कार्य यथाशीघ्र पूर्ण करायें।

वितरण प्रणालीः– सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित वितरण प्रणाली 908.886 किमी0 के सापेक्ष 780.98 किमी0 पाईप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण किया गया है, 128 किमी0 पाइप बिछाना अवशेष है। शेष पाइप निर्धारित अवधि में बिछाये जाने के लिए फर्म द्वारा 111 श्रमिक प्रतिदिन लगाये जाने के दैनिक लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 80 श्रमिक लगाकर कार्य कराया जा रहा है। कार्यदायी फर्म को निर्देशित किया गया कि आवश्यक गैंग व मैनपावर लगाते हुए स्वीकृत ड्राइंग व डिजाइन तथा गुणवत्ता मानको का पालन करते हुए निर्धारित दैनिक लक्ष्य प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

FHTC कनेक्शनः–अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) महोबा द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था द्वारा योजना मे प्रस्तावित 47940 FHTC कनेक्शन के सापेक्ष अभी तक मात्र 33946 HTC का कार्य पूर्ण किया गया है तथा अभी 13994 नल कनेक्शन किया जाना अवशेष है। कार्यदायी फर्म द्वारा 33 टीमें लगाकर प्रतिदिन 500 कनेक्शन किये जाने के निर्धारित साप्ताहिक लक्ष्य के सापेक्ष 22 टीमें लगाकर प्रतिदिन मात्र 349 HTC का कार्य किया जा रहा है। फर्म द्वारा 59 ग्रामों में HTC का कार्य पूर्ण तथा 20 ग्रामों में प्रगति पर है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा कार्यदायी फर्म के जनरल मैनेजर को निर्देशित किया गया कि निर्धारित लक्ष्य को गम्भीरता से लेते हुए पर्याप्त टीमों

Scanned with OKEN Scanner

व मशीनरी को "राउण्ड द क्लाक" 24 घंटे दिन और रात्रिकालीन शिफ्टों में कार्यस्थलों पर लगाकर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप तथा कार्ययोजना के अनुसार निर्धारित दैनिक लक्ष्य को प्राप्त करें।

रोड रेस्टोरेशनः–सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि कार्यदायी एजेंसी द्वारा अभी तक मात्र 45 राजस्व ग्रामों भुरही, घटकना, किशनपुर, सिलौली, उपरी, भरसावन, देवकाली, सारस, मसगांव, धुगवान, खनदेही, बिगहना, चकदाहा, गदेरीया खेड़ा, मवईया, गेहबरा, भवानी, चमरखन्ना, रतवा, गुरहा, गहतौली, जलाला, इटारा, पचखुरा खुर्द, धुन्धपुर, महमूदपुर, दरियापुर, कन्जौली, रिगना, पत्यौरा डांडा, बरूआ, पारा, रायपुर, इसौली, भवनीया, बदनपुर, अतैरया, नरायनपुर, नजरपुर, टोलामॉफ, तिलसारस, बमरौली, खैरी, अछरैला का रोड रेस्टोरेशन पूर्ण किया गया एवं 22 राजस्व ग्राम परछछ, टोलामाफ, तिलसरल परहेटा, किसवाही, परोहरी, सरहा, लेवा, भैन्सटा, बहरेला, अछरेला, मकरांव, इसौली, भवनीया, मिहुना, मौहर, इचौली, नजरपुर, कैथी, कलौलीजार इत्यादि में कार्य प्रगति पर है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देश दिया गया कि विगत 05 सप्ताह से रोड–रेस्टोरेशन कार्य में आपेक्षित प्रगति नही हुई है। पाइप लेइंग के पश्चात यथाशीघ्र हाइड्रोटेस्टिंग तथा रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराया जाय, जिससे जनसामान्य को आवागमन मे परेशानी न हो। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), महोबा, सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 तथा डी0टी0एल0, टी0पी0आई0 को निर्देशित किया गया कि जिन राजस्व ग्रामों में रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराया जा चुका है, सत्यापन कराकर फोटो सहित रिपोर्ट उपलब्ध करायें।

हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल (सतही स्त्रोत)

सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल (सतही स्त्रोत) योजना के माध्यम से कुरारा विकास खण्ड के 24 ग्राम पंचायत के 39 राजस्व ग्रामों को आच्छादित किया जाना है। हरौलीपुर सतही स्त्रोत योजनान्तर्गत 01 इन्टेकवेल (9 एम0एल0डी0), 01 डब्लू0टी0पी0 (8 एम0एल0डी0), 12 नग अवर जलाशय तथा 05 नग सी0डब्लू0आर0 का निर्माण किया जाना है।

इन्टेकवेलः– इस योजना के तहत यमुना नदी, ग्राम हरौलीपुर के पास इन्टेकवेल (9 एम0एल0डी0) का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। प्रोजेक्ट मैनेजर के द्वारा अवगत कराया गया कि इंटेकवेल का सिविल कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है, फिनिशिंग एवं पेंटिंग का कार्य प्रगति पर है। कार्यदायी फर्म को निर्देशित किया गया कि पर्याप्त मानव श्रम लगाकर अवशेष कार्यों को अनुमोदित ड्राइंग डिजाइन एवं गुणवत्तापूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

डब्लू0टी0पी0:–प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि डब्लू0टी0पी0 8 एम0एल0डी0 का हरौलीपुर मे निर्माण किया जाना है, जिसका सिविल कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है तथा वर्तमान में मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल कार्य किया जा रहा है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 को निर्देशित किया गया कि डब्लू0टी0पी0 का अवशेष सिविल कार्य एवं विद्युत यांत्रिकी के कार्य पर्याप्त मानवश्रम लगाकर शत–प्रतिशत अनुमोदित ड्राइंग डिजाइन एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप यथाशीघ्र पूर्ण करायें।

सी0डब्लू0आर0:– सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित 5 नग सी0डब्लू0आर0 के सापेक्ष 05 नग सी0डब्लू0आर0 का सिविल कार्य पूर्ण कर लिया गया है और हरौलीपुर सी0डब्लू0आर0 पर पम्प इन्स्टालेशन की कार्यवाही की जा रही है।

Scanned with OKEN Scanner

मीटररूम का निर्माण डब्लू0टी0पी0 एवं इन्टेकवेल पर किया जा रहा है, जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा कार्यदायी एजेंसी को निर्देशित किया गया सी0डब्लू0आर0 पर आवश्यक मैनपावर लगाकर स्वीकृत ड्राईंग एवं डिजाइन के अनुसार अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करायें।

अवर जलाशयः—पी0एन0सी0 प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि सतही स्त्रोत योजना के तहत 12 अवर जलाशयों का निर्माण किया जाना है, जिसके सापेक्ष 12 अवर जलाशयों का सिविल कार्य पूर्ण हो चुका है। अवर जलाशय का लगभग 90 प्रतिशत सिविल कार्य पूर्ण कर लिया गया है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि अवर जलाशयों पर स्वीकृत ड्राइंग व डिजाइन तथा गुणवत्ता व मानको का पालन कराते हुए अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाय।

राईजिंगमेन तथा वितरण प्रणालीः— प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित राईजिंगमेन 83.848 किमी0 पाइप बिछाने हेतु कार्य किया जाना है, जिसके सापेक्ष 81.668 किमी0 राइजिंगमेन बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। प्रस्तावित वितरण प्रणाली मे 184.372 किमी0 पाइप बिछाने हेतु कार्य किया जाना है, जिसके सापेक्ष 181.503 किमी0 पाइप बिछाने का कार्य 29 राजस्व ग्रामों में पूर्ण हो चुका है एवं 05 राजस्व ग्रामों में प्रगति पर है। प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 को निर्देशित किया गया कि स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन एवं मानक के अनुरूप पाइप बिछाने की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

FHTC कनेक्शनः—सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था द्वारा योजना मे प्रस्तावित 9636 FHTC कनेक्शन के सापेक्ष अभी तक मात्र 6954 MDPE पाइप का कार्य 29 राजस्व ग्रामों में पूर्ण किया गया है, 05 राजसव ग्रामों में प्रगति पर है तथा अभी 2682 FHTC का कार्य शेष है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा पी.एन.सी. प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि कनेक्शन किये जाने की प्रगति धीमी है, निर्धारित दैनिक कार्ययोजना के अनुसार पर्याप्त मानवश्रम व मशीनरी को लगाकर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन एवं मानकों के अनुरूप यथाशीघ्र कार्य पूर्ण कराये।

हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल (नलकूप आधारित)

अधिशासी अभियन्ता, जल निगम द्वारा अवगत कराया गया कि हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल योजना (नलकूप आधारित) के माध्यम से विकास खण्ड राठ, गोहाण्ड, सरीला एवं मुस्करा के 168 ग्रामों को लाभान्वित किये जाना है। हरौलीपुर नलकूप आधारित योजनान्तर्गत 136 नग नलकूप, 118 नग अवर जलाशय, 1 नग सी0डब्लू0आर0 वितरण प्राणाली के लिए पाईप बिछाने का कार्य 977.42 किमी0, 103 नग स्टाफ क्वाटर, 14.23 किमी0 बाउन्ड्रीवाल का निर्माण किया जाना है। उपरोक्त परियोजना का घटकवार प्रगति निम्नवत है:—

नलकूपः—प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि नलकूप आधारित योजना में प्रस्तावित 123 नग नलकूप के सापेक्ष 121 नग नलकूपों मे लोवरिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है व 113 नग नलकूपों पर डेवलेपमेन्ट का कार्य पूर्ण हो चुका है। सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि योजना में 123 पम्प हाउस का निर्माण किया जाना है, जिसके सापेक्ष कार्यदायी एजेंसी मात्र 83 पम्प हाउस पर निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया है। 16 पम्प हाउस का सिविल कार्य पूर्ण कर लिया गया है, वर्तमान में मात्र 35 पम्प हाउस पर निर्माण कार्य किया जा रहा है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा कार्य की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा प्रोजेक्ट मैनेजर, पीएनसी को निर्देशित किया गया कि मैनपावर व मशीनरी लगाकर सभी नलकूपों

Scanned with OKEN Scanner

पर एक साथ समान्तर रूप से कार्य करायें तथा विकसित किये गये नलकूपों में पम्प इंस्टॉलेशन की कार्यवाही करायें एवं सोलर पैनल की शत–प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए सोलर पैनल के अधिष्ठापन कार्य पूर्ण करायें। नलकूप डेवलपमेन्ट का कार्य, समरसेबिल पम्प इंस्टॉलेशन तथा पम्प हाउस का निर्माण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

अवर जलाशयः–प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित 118 नग अवर जलाशय के सापेक्ष 104 अवर जलाशयों पर कार्य प्रारम्भ किया गया था, जिसमें 44 नग अवर जलाशयों पर टॉप डोम का कार्य पूर्ण किया गया है। डिस्ट्रिक्ट टीम लीडर, टी0पी0आई0 द्वारा बताया गया कि वर्तमान में केवल 43 नग अवर जलाशय का कार्य किया जा रहा है। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी एजेंसी के द्वारा लगभग 30 अवर जलाशयों पर खुदाई कराने के बाद कार्य बन्द कर दिया गया है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा बार–बार निर्देश दिये जाने के बावजूद भी एजेंसी द्वारा निर्धारित टीमें नही बढ़ाई जा रही हैं, जिस कारण अवर जलाशय के निर्माण में तेजी नही आ पा रही है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा अवर जलाशयों के निर्माण की धीमी प्रगति पर असंतोष प्रकट किया गया तथा पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि अवर जलाशयों पर मैनपावर व मशीनरी बढ़ाकर लगाते हुए स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप सभी जलाशयों पर एक साथ समान्तर रूप से गुणवत्तापूर्ण कार्य करायें तथा उपरोक्त अवर जलाशयों की प्रगति मे तेजी लायें।

वितरण प्रणालीः–सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि योजना में प्रस्तावित 975.28 किमी0 के सापेक्ष अभी तक 938.38 किमी0 पाईप बिछाने का कार्य हुआ है तथा लगभग 37 किमी0 पाइप बिछाया जाना शेष है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 को निर्देशित किया कि वितरण प्रणाली पाइप बिछाने का कार्य स्वीकृत ड्राइंग डिजाईन एवं मानक व गुणवत्ता के अनुरूप समयान्तर्गत पूर्ण करायें।

FHTC कनेक्शनः– सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यदायी संस्था को 53504 FHTC कनेक्शन के निर्धारित लक्ष्य को ससमय पूर्ण किये जाने हेतु निर्देश दिये गये थे, किन्तु अभी तक मात्र 50825 FHTC कनेक्शन के लिए HTC का कार्य किया गया है, 206 राजस्व ग्रामों में FHTC कनेक्शन हेतु MDPE पाइप का कार्य पूर्ण हो गया है तथा वर्तमान में 33 राजस्व ग्रामों में कार्य प्रगति पर है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा FHTC कनेक्शन किये जाने की प्रगति कम है, पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि पर्याप्त मानवश्रम को कार्यस्थलों पर लगाकर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

रोड रेस्टोरेशनः– सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि कार्यदायी एजेंसी द्वारा अभी तक मात्र 89 राजस्व ग्रामों का रोड रेस्टोरेशन किया जा चुका है एवं 51 राजस्व ग्रामों में कार्य प्रगति पर है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा रोड रेस्टोरेशन कार्य की अत्यन्त धीमी प्रगति पर खेद प्रकट किया गया, कुल 206 राजस्व ग्रामों में एच.टी.सी. कार्य पूर्ण किया गया है, जिसके सापेक्ष अभी तक मात्र 89 राजस्व ग्रामों में ही रोड रेस्टोरेशन का कार्य किया गया है, जो कार्यदायी एजेंसी की कार्य के प्रति लापरवाही को प्रदर्शित करता है, जबकि रोड रेस्टोरेशन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किये जाने हेतु लगातार निर्देशित किया जा रहा है। कार्यदायी एजेंसी को निर्देशित किया गया कि जिन ग्रामों में पाइप बिछाने एवं हाइड्रोटेस्टिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है, पर्याप्त टीमें लगाकर तत्काल रोड रेस्टोरेशन कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

Scanned with OKEN Scanner

(57)

<u>अनापत्ति प्रमाण पत्रः–</u> सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि वन विभाग से अनापत्ति प्राप्त करने हेतु आवश्यक धनराशि एडॉक कैम्पा, नई दिल्ली के खाते में जमा किये जाने हेतु अधिशासी अभियन्ता, जल निगम ग्रामीण द्वारा कार्यदायी एजेंसी को निर्देशित किया गया है, किन्तु अभी तक फर्म द्वारा धराराशि जमा नही की गई है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 को धनराशि जमा कराये जाने के निर्देश दिया गया।

अधोहस्ताक्षरी द्वारा कार्यदायी संस्थाओ को निर्देशित किया गया कि मानवश्रम एवं आवश्यक मशीनरी बढ़ाकर समय से प्रस्तावित कार्य गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करायें। रोड रेस्टोरेशन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें, जिससे जनसामान्य को असुविधा न हो तथा यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि पाइप लाइन बिछाने हेतु खोदी गई कोई भी सड़क/गली रोडरेस्टोरेशन करने से छूटे न। चूकि यह पेयजल योजना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, अतः इस कार्य में अधिशासी अभियन्ता/सहायक अभियन्ता/अवर अभियन्ता, जल निगम ग्रामीण, महोबा टी0पी0आई0 तथा पी0एम0सी0 व्यक्तिगत रूचि लेते हुए कार्य मानक के अनुरूप, गुणवत्तापूर्ण तथा स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुसार करायें। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाय।

अंत में सभी को धन्यवाद देते हुए बैठक समाप्त की गयी।

(राजेश कुमार यादव)
अपर जिलाधिकारी
(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग)
हमीरपुर।

<u>कार्यालय जिलाधिकारी, हमीरपुर</u>
(*An ISO 9001:2015 Certified Collectorate*)

पत्र संख्या– 974 /न0गंगे–पेय0परि0-स0बै0(2022–23) दिनांक–14 फरवरी, 2023

<u>प्रतिलिपिः</u>–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतुः–

1. अधिशासी निदेशक महोदय, एस0डब्लू0एस0एम0, लखनऊ को सादर अवलोकनार्थ।(ई–मेल)
2. जिलाधिकारी महोदय को सादर अवलोकनार्थ।
3. मुख्य अभियन्ता, एस0डब्लू0एस0एम0, लखनऊ। (ई–मेल द्वारा)
4. अधीक्षण अभियन्ता, एस0डब्लू0एस0एम0, लखनऊ।(ई–मेल द्वारा)
5. अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), महोबा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि सतत पर्यवेक्षण करते हुए स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन व गुणवत्ता मानकों का अनुपालन कराना सुनिश्चित करें। (ई–मेल द्वारा)
6. अधिशासी अभियन्ता वि0/यॉ0, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), चित्रकूट।
7. टीम लीडर पी0एम0सी0(आर0वी0 एसोसिएट्स)/टीम लीडर, टी0पी0आई0(सेन्सिस टेक लि0) हमीरपुर को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि सतत पर्यवेक्षण करते हुए स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन व गुणवत्ता मानकों को लागू कराना सुनिश्चित करें।
8. प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0, हमीरपुर को अनुपालनार्थ।
9. जनरल मैनेजर, जे0डब्लू0आई0एल0, हमीरपुर को अनुपालनार्थ।
10. स्टेट हेड, पी0एन0सी0/जे0डब्लू0आई0एल0। (ई–मेल द्वारा)

Seen
DM
15/2/23

14/2/2023
अपर जिलाधिकारी
(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग)
हमीरपुर।

Scanned with OKEN Scanner